



## गरियाबंद का संक्षिप्त परिचय

1 जनवरी सन् 2012 में रायपुर जिले से विभाजित होकर पृथक गरियाबंद जिला का निर्माण हुआ। जिला गरियाबंद में 07 तहसीलें कमशः गरियाबंद, मैनपुर, अमलीपदर, छुरा, फिंगेश्वर, राजिम एवं देवभोग सम्मिलित किये गये।

## “ जिला गरियाबंद एक दृष्टि में ”

\*\*\*\*\*

### 1. क्षेत्रफल

1. कुल भौगोलिक क्षेत्रफल	वर्ग कि.मी.	5822.861
2. वनों के अन्तर्गत क्षेत्रफल	वर्ग कि.मी.	2935.801

### 2. प्रशासनिक इकाई

1. तहसील	संख्या	7
2. विकासखंड (कुल)	संख्या	5
3. आदिवासी विकासखंड	संख्या	3
4. नगर	संख्या	5

### 3. ग्राम संख्या

1. कुल ग्राम	संख्या	713
2. आबाद ग्राम	संख्या	688
3. राजस्व ग्राम	संख्या	688
4. विरान ग्राम	संख्या	25

### 4. जनसंख्या (जनगणना 2011 )

1. कुल जनसंख्या	संख्या	597653
2. पुरुष	संख्या	295851
3. स्त्री	संख्या	301802
4. ग्रामीण	संख्या	557199
5. नगरीय	संख्या	40454
6. अनुसूचित जाति	संख्या	60558
7. अनुसूचित जनजाति	संख्या	215986
8. जनसंख्या घनत्व	प्रति वर्ग कि.मी.	102.64
9. साक्षर जनसंख्या	संख्या	350763
10. लिंगानुपात (1000 पुरुष में महिलाओं की संख्या)	संख्या	1020
11. दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर (ग्रा.+नग.) (2001-2011)	प्रतिशत	17.30
12. कुल साक्षरता दर	प्रतिशत	68.26

(An initiative for Quality Education in Gariaband District, Chhattisgarh )

**Innovation (District)**

In the tribal-dominated district Gariaband, district in Chhattisgarh, as many as 23 of the 150 government schools scored 100 per cent results in Class 10 and Class 12 state Board exams 2024. The success rate, though decent, is hardly worth going to town about. But it's a big achievement when one considers that till 2023, rarely any secondary or high school in Gariaband, achieved hundred per cent results.

In fact, the pass percentage in the district was 78 per cent for Class X and 82 per cent for Class 12 exams while the overall pass percentage in Chhattisgarh for Class 10 and 12 was 75 per cent and 87 per cent, respectively. The state 2<sup>nd</sup> topper in Class X, Honisha Sahu, who scored 98.83 per cent, is also from Gariaband. So, what changed in just one year that the backward district left rest of the many district way behind?



It was ‘Gaurav Gariaband (UTKRSHIT known as earlier)’, an initiative launched in July 2023, by the district administration under Mission Utkrisht, that helped script the success story.

The initiative was launched with the aim to enhance quality education in all higher secondary and high schools under the direct supervision of District Collector. “Several activities were introduced in the annual calendar of events for the government higher secondary and high schools under the guidance of Team Utkrisht and the education department officials. There were monthly reviews and the next course of action was planned based on the feedback”,

From the beginning of academic session, the shortage of teachers in every subject was taken care of. Orientation sessions were held for Class X and Class XII teachers and school principals where action plan and schedules were discussed. The collector attended the sessions to inspire the teachers towards achieving the goal.

**उपलब्धि : कलेक्टर की दूरदर्शी सोच ने दिया जिले को नई पहचान व उत्कृष्ट अभियान ने दी नई उड़ान**

### जिले ने 12 वीं बोर्ड में 6वां तो 10वीं में चौथे पायदान पर लगाई छलांग

**दिले की टीम कायम रखने से बढ़ते ही अग्रिम - प्रदर्शन को इस अभियान के तहत 2023 व 2024 के बोर्डों को तेजी से बढाते हुए परीक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाने के लिए अभियान के अन्तर्गत विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।**

**दिले की टीम कायम रखने से बढ़ते ही अग्रिम - प्रदर्शन को इस अभियान के तहत 2023 व 2024 के बोर्डों को तेजी से बढाते हुए परीक्षा के प्रति उत्साह बढ़ाने के लिए अभियान के अन्तर्गत विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।**

There were monthly reviews and the next course of action was planned based on the feedback”,

# बोर्ड परीक्षा कक्षा दसवीं और बारहवीं का परीक्षा परिणाम घोषित जिले में कक्षा 12वीं का 82.38% दसवीं का 78.80% रहा परिणाम

परिणाम, उत्तरेण्ड मध्यम शिक्षा विभाग ने आज कक्षा 10 वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। बोर्ड द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में जिले के छात्रों में अच्छा प्रदर्शन किया है। कक्षा 10 वीं की परीक्षा में जिले की औसत प्रतिशत है 78.80 प्रतिशत जबकि जिले की औसत प्रतिशत में प्रवेश करने वाले छात्रों की संख्या 15,000 है। वहीं कक्षा 12 वीं की परीक्षा में जिले की औसत प्रतिशत 82.38 प्रतिशत है।

**स्कूल में बारहवीं में गोपाल तो दसवीं में हर्षल प्रथम**  
उत्तरेण्ड मध्यम शिक्षा विभाग के डी-पी कक्षा दसवीं में 15,000 छात्रों की परीक्षा आयोजित की गई। जिले में कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 82.38 प्रतिशत का रहा जबकि कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम 78.80 प्रतिशत रहा।

उत्तरेण्ड मध्यम शिक्षा विभाग के डी-पी कक्षा दसवीं में 15,000 छात्रों की परीक्षा आयोजित की गई। जिले में कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 82.38 प्रतिशत का रहा जबकि कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम 78.80 प्रतिशत रहा।

**बारहवीं में मोरध्वज और दसवीं में वर्षा देवांगन ने मारी बाजी**  
उत्तरेण्ड मध्यम शिक्षा विभाग के डी-पी कक्षा दसवीं में 15,000 छात्रों की परीक्षा आयोजित की गई। जिले में कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 82.38 प्रतिशत का रहा जबकि कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम 78.80 प्रतिशत रहा।

**शत - प्रतिशत रहा नवकार पब्लिक स्कूल का परीक्षाफल**  
उत्तरेण्ड मध्यम शिक्षा विभाग के डी-पी कक्षा दसवीं में 15,000 छात्रों की परीक्षा आयोजित की गई। जिले में कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 82.38 प्रतिशत का रहा जबकि कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम 78.80 प्रतिशत रहा।

**प्रतिभा सम्मान • उत्कृष्ट गरियाबंद अभियान के तहत स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में किया आयोजन**  
उत्तरेण्ड मध्यम शिक्षा विभाग के डी-पी कक्षा दसवीं में 15,000 छात्रों की परीक्षा आयोजित की गई। जिले में कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 82.38 प्रतिशत का रहा जबकि कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम 78.80 प्रतिशत रहा।

The performance of every student of Class X and XII were uploaded on app 'Vinoba', making it convenient for the collector and her team to assess the progress of the initiative on regular basis.

The entire curriculum had a month-wise schedule and syllabus fixed for monthly, half-yearly and pre-board examinations. Question papers were prepared every month and circulated to all the principals. Special focus was given to children who required more attention. Problem solving sessions and assessment for student of all subjects were held every week by weekly test. School attendance for both the students and the teachers was given a priority. daily attendance submission on app and report with colour grading helped to monitor such school where attendance was the issue. It improves district daily average attendance from 60% to 75%.

Facilitators and moderators were appointed for every school to physically verify the given information and they sent the reports to the district education officer and the collector. And finally, a special 'Mission 40-days' (40 days ahead of final exams) was followed to ensure proper revisions conducted by principals and teachers in every school. The efforts resulted in a sweet success—for students, schools as well as the administration.

## प्रतिभा सम्मान • उत्कृष्ट गरियाबंद अभियान के तहत स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में किया आयोजन

### कलेक्टर ने प्रतिभावान छात्रों को किया सम्मानित

उत्तरेण्ड मध्यम शिक्षा विभाग के डी-पी कक्षा दसवीं में 15,000 छात्रों की परीक्षा आयोजित की गई। जिले में कक्षा 12 वीं का परीक्षा परिणाम 82.38 प्रतिशत का रहा जबकि कक्षा 10 वीं का परीक्षा परिणाम 78.80 प्रतिशत रहा।

### Major Action

#### (1) Attendance tracking

District's daily average attendance of student was 60-70% (It says "Average attendance Percentage is equal to result of that school") Daily every school submit their student and teacher attendance data after 11 Am (ie total enrollment, present and absent) in VINOBA app.

Through app we get a auto generated pdf sheet daily, in which we can see schoolwise student and teacher attendance with A B C grading (with colour zone). (A grade-Above 90%, B grade 90-70% and C grade below 70%) We can see

उत्कृष्ट गरियाबंद														
हाई एवं हायरसेकेण्डरी विद्यालयों की उपस्थिति														
DATE- 15.09.2023														
S.No.	विद्यालय	संस्था का नाम	ग्र. क्र. एवं पिन कोड	विद्यार्थियों की उपस्थिति					विद्ययालयों की उपस्थिति					
				कुल	प्राति	अनुपस्थित	अनुपस्थित	अनुपस्थित	अनुपस्थित	अनुपस्थित	अनुपस्थित	अनुपस्थित		
1	गरियाबंद	H.S.s.bendkura	22251911803	7	8	9	10	11	12	13	14	15		
2	डेकभोग	SAGES DEOBHOG	22251402801	29	29	0	0	477	454	23	95	2%	A	
3	छुरा	Govt.High School Ghatkara	22250500406	8	6	2	0	69	65	4	94	2%	A	
4	गरियाबंद	शा. हाईस्कूल सदौली	22251912504	7	7	0	0	51	48	3	94	1%	A	
5	फिनेशर	High School Lachkera	22252301904	5	5	0	0	73	68	5	93	2%	A	
6	फिनेशर	H. S. S. BARONDA	22252304405	15	12	3	0	112	104	8	92	9%	A	
7	छुरा	GOVT. HIGH SCHOOL KARCHALI	22250500802	6	6	0	0	39	36	3	92	3%	A	
8	मैनपुर	High school gopalpur	22252607403	4	4	0	0	23	21	2	91	3%	A	
9	छुरा	H.S.Dardargaon(Purana)	22250503105	5	4	1	0	44	40	4	90	9%	A	
10	फिनेशर	G.H.H.S. PARSADA JOSHI	22252308305	13	11	2	0	328	298	30	90	9%	A	
11	डेकभोग	Govt HSSDhourakot	22251405104	5	5	0	0	249	226	23	90	8%	A	
12	फिनेशर	G.H.S.S.TEKA	22252305104	9	8	1	0	101	91	10	89	1%	A	
13	छुरा	Govt.H.S.S.Ranipartewa	22250509625	11	9	2	0	254	228	26	89	8%	A	
14	गरियाबंद	शासकीय हाई स्कूल आमंदी (द)	22251912204	5	4	1	0	116	104	12	89	7%	A	
15	फिनेशर	Government High School Tarighat	22252308904	6	6	0	0	67	60	7	89	6%	A	
16	छुरा	Govt. Higher Secondary School Panktiya	22250508704	9	7	1	1	185	165	20	89	2%	B	
17	मैनपुर	GOVT (RMSA) HIGH SCHOOL DEHARGUDA	22252610008	5	4	1	0	63	56	7	88	9%	B	
18	फिनेशर	Govt.hss.khuteri	22232509103	11	9	2	0	178	158	20	88	8%	B	
19	फिनेशर	शासकीय उत्तरेण्ड माध्यमिक शाखा धिजली	22252300507	9	8	1	0	69	61	8	88	4%	B	
20	मैनपुर	Govt. Girls High School Maimpur	22252611612	5	5	0	0	189	167	22	88	4%	B	
21	फिनेशर	GOVERNMENT HIGH SCHOOL RAWAD	22252308206	3	3	0	0	82	72	10	87	8%	B	
22	मौराबाबद	Govt High school Harid	22251901705	4	3	1	0	65	57	8	87	7%	B	
23	छुरा	GHS AKALWARA	22250509405	11	9	2	0	247	216	31	87	4%	B	
24	मौराबाबद	शासकीय उत्तरेण्ड माध्यमिक विद्यालय कोचपाय	22251913109	12	12	0	0	336	293	43	87	2%	B	

clearly which schools are today in green or yellow zone (A and B grade) and which are in Red zone (C grade). That PDF circulated to all district, block and cluster level whatsapp group daily 1.00 Pm, and instruct field level officials to monitor review and reform RED ZONE (C grade Schools Attendance). Review weekly in TL and Monthly meeting (Principals meeting) by collector. gradually improvement seen on Average attendance, (that 60% to now 75%) and it helps to improve exam result.

## **(2) Periodic Test**

**Weekly Test** Conducted by school level in every Saturday, same day result, and result submitted on Vinoba app. Analyse, Grading and Sharing to all stakeholders.

**Monthly Test** Question paper prepared by district level, pdf circulated to all school on exam day. last week on every month exam schedule by district level. Result analysis and grading sheet through VINOBA app. Top 20 students and school merit list of 10<sup>th</sup> and 12<sup>th</sup> class basis. UDAN, a programme to encourage good student and school organize every month on district level, in which collector motivate and encourages good student and school to do their best. Trimonthly, Half Yearly and Pre board Exam and valuation organized by District level on Board pattern.



**(3) Backlog Learning** all student categories as per last previous year result and conduct backlog learning/remedial class for lower grade student from 26 June to 15 July. For upper grade student peer/group learning/self study class.

**(4) Daily Homework** In teacher diary must daily homework question (exam imp. Specific) daily check by teacher and Headmaster (Rotation base random sample)

**(5) Extra/Remedial/Sunday class** from beginning should be extra class of one hour (before or after regular class) in every school, it will help to improve learning gap. Sunday class may be 2-3 hours for 2-3 subject, it will be must for all school but may flexible as per teachers continent.

**(6) Nodal for Block(BEOs)** block nodal regular review the project and will be responsible for every component. Every month collector review the nodal as per their performance, block also be graded as per this.



(7) **Gap analysis** it is must that we analysis learning gaps regularly after every result, and perpare action plan as per need, focus how to minimise lower grade performer and maxmise A grade performer on school/ block/ district level

(8) **Principal/Teacher/CAC orientation** Before the session start orientation workshop for all Principal, teachers, and CACs so that they correlate and know each and every thing about mission Gaurav, their component and action plan to achieve the goal.

(9) **Mentor Teacher** According to teachers and pupil ratio prepare a list of matching batching of teachers and students. Every mentor must maintain 10-20 students’ performance record like weekly and monthly test etc. they will responsible for these students development.

(10) **Mission 40 days** After completion of course till December. From 1<sup>st</sup> jan. to 15<sup>th</sup> Feb. Crash course for all student, daily, writing practice of important question from previous year paper and question bank. and short answer question practice for very weak student. Class Period would be on rotation base 3-4 subject for 2 hour each.

### Impact of “GAURAV GARIABAND”

## Impact of EFFORT

### 10<sup>th</sup> Board Result

	2023 (Before Utkrisht)	2024 (After Utkrisht)	Growth
1. Rank of District (on State)	19	16	3 Step
2. School with 100% Result	06	14	133%
3. A grade school (Above 90%)	38	50	32%
4. B grade school (90-70%)	50	70	40%
5. C grade school (Below 70%)	61	30	51%
6. Total Result	74%	78%	4%

### 12<sup>th</sup> Board Result

	2023	2024	Growth
1. Rank of District (on State)	22	15	7 Step
2. School with 100% Result	06	09	50%
3. A grade school (Above 90%)	25	32	28%
4. B grade school (90-70%)	31	35	13%
5. C grade school (Below 70%)	20	13	35%
6. Total Result	78%	82%	4%

# पोषण निवेश योजना (नारी है तो कल है, नारी है तो जल है)

गरियाबंद जिले में 05 बाल विकास परियोजनाओं के माध्यम से कुल वर्तमान में 1494 आंगनबाड़ी केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। उक्त आंगनबाड़ी केन्द्रों के द्वारा लगभग 6800 गर्भवती माता तथा 6600 शिशुवती माता एवं 60,000 0-06 वर्ष के बच्चों को विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। विगत 03 वर्ष से वजन त्यौहार के अनुसार गरियाबंद जिले में सन् 2019 में कुपोषण का दर 25.62 प्रतिशत् तथा वजन त्यौहार 2022 के अनुसार जिले का कुपोषण दर 22.13 प्रतिशत् तथा 2023 में जिले का कुपोषण दर 19.81 प्रतिशत् है। वर्तमान में जिले में केवल एक पोषण पुर्नवास केन्द्र का संचालन स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किया जा रहा है। जिसमें एक बार में अधिकतम 10 कुपोषित बच्चों को लाभान्वित किया जा सकता है।



महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों की कुपोषण को दूर करने हेतु अतिरिक्त पौष्टिक आहार के रूप में रेडी टू ईट तथा 03 से 06 वर्ष के बच्चों को गरम भोजन प्रदाय किया जा रहा है। अतिरिक्त पौष्टिक आहार के अलावा बच्चों को अन्य किसी प्रकार का प्रोटीन एवं कैलोरीयुक्त खाद्य पदार्थ प्राप्त नहीं हो पाता है। गरियाबंद जिला के 03 विकासखण्डों में आदिवासी जनसंख्या की बाहुलता है। जहां मुख्य रूप से बच्चों को घरों में चावल एवं स्थानीय रूप से उपलब्ध कुछ सब्जियों का भोजन प्राप्त होता है। जिसमें पर्याप्त प्रोटीन एवं कैलोरी का अभाव होता है। जिले में मौसमी फलों का बगीचा या पौधा का अभाव है। जिस कारण से बच्चों को उचित पौष्टिकतायुक्त आहार प्राप्त नहीं हो पाता है।



उक्त कारणों से जिला में कुपोषण के दर को तेजी से कम करने हेतु केवल आंगनबाड़ी के अतिरिक्त पौष्टिक आहार पर हितग्राहियों की निर्भरता रहती है। यही कारण है कि जिले में अभी भी बच्चों का कुपोषण दर 20 प्रतिशत के करीब है, तथा 25 प्रतिशत से अधिक बच्चे बौनापन का शिकार है। उक्त स्थितियों को देखते हुए जिला कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल के द्वारा जिले में पोषण निवेश योजना का संचालन का निर्णय लिया गया। सर्वप्रथम जिले के नवविवाहित जोड़ों एवं गर्भवती, शिशुवती माताओं की सर्वे आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से करायी गई। लगभग 13500 गर्भवती शिशुवती माता एवं 3500 नवविवाहिता जोड़ों का चिन्हांकन आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के द्वारा किया गया। पोषण निवेश योजना अंतर्गत उक्त सभी हितग्राहियों को जिले में संचालित वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग की नर्सरी के माध्यम से कम से कम 05 फलदार पौधे निःशुल्क प्रदाय करते हुए हितग्राहियों की बाड़ियों में सुरक्षित लगाये जाने के लिए प्रेरित किया गया।



बच्चों को भविष्य में फलदार पौधों के माध्यम से उचित पोषण की प्राप्ति को दृष्टिगत रखते हुए तथा जल संवर्धन एवं वन संरक्षण को ध्यान में रखते हुए दिनांक 10.07.2024 को एक साथ प्रातः 07:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक 17280 हितग्राहियों के द्वारा कुल 86400 फलदार वृक्ष जैसे आम, जामुन, आंवला, कटहल, अमरूद, सीताफल एवं मुनगा का पौधा रोपण किया गया। जो गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में एक अद्वितीय रिकार्ड के रूप में दर्ज किया गया।

उक्त अभियान जिले में निःशुल्क रूप से सम्पादित किया गया है। वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग के द्वारा फलदार वृक्षों का रोपण मनरेगा मद से कराया गया तथा सभी जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के माध्यम से प्रत्येक पंचायतों में सरपंचों के द्वारा निर्धारित हितग्राहियों के घरों तक फलदार वृक्ष का परिवहन कर प्रदाय का कार्य किया गया। इस अभियान को गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में दर्ज कराने के लिए लिखित पत्र रायपुर स्थिति रीजनल डायरेक्टर को भेजा गया था, तथा उनकी सहमति के आधार पर दिनांक 10.07.2024 को अभियान को उनके समक्ष सफल बनाया गया।

पोषण निवेश योजना अंतर्गत उक्त सभी हितग्राहियों से पौधे के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु लिखित संकल्प पत्र हस्ताक्षर कराये गये तथा सभी हितग्राहियों ने शपथ लिया है कि उनके द्वारा उक्त रोपित पौधों का संरक्षण ठीक उसी प्रकार किया जाएगा जिस प्रकार उनके द्वारा अपने छोटे बच्चों का संरक्षण किया जाता है। पोषण का निवेश शीर्षक अभी तक राज्य में किसी के द्वारा नहीं सोचा गया था। गरियाबंद जिले में कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल की इस नई सोच को मूर्त रूप देने के फलस्वरूप जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में दर्ज हो गया। जो ऐतिहासिक है।

### हरिभूमि

Harbhoomi Raipur (Ratan Bhooni) - 11 Jul 2024 - Page 1

**आयोजन: जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में हुआ दर्ज**

**17 हजार से अधिक नवविवाहित, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं ने 85 हजार पौधे लगा बनाया वर्ल्ड रिकार्ड**

**संयोजक सुभाष आ. शर्मा**

जिले की महिलाओं एवं बच्चों को भविष्य में उचित पोषण हेतु गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में एक साथ प्रातः 07:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक 17280 हितग्राहियों के द्वारा कुल 86400 फलदार वृक्ष जैसे आम, जामुन, आंवला, कटहल, अमरूद, सीताफल एवं मुनगा का पौधा रोपण किया गया। जो गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में एक अद्वितीय रिकार्ड के रूप में दर्ज किया गया।

उक्त अभियान जिले में निःशुल्क रूप से सम्पादित किया गया है। वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग के द्वारा फलदार वृक्षों का रोपण मनरेगा मद से कराया गया तथा सभी जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के माध्यम से प्रत्येक पंचायतों में सरपंचों के द्वारा निर्धारित हितग्राहियों के घरों तक फलदार वृक्ष का परिवहन कर प्रदाय का कार्य किया गया। इस अभियान को गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में दर्ज कराने के लिए लिखित पत्र रायपुर स्थिति रीजनल डायरेक्टर को भेजा गया था, तथा उनकी सहमति के आधार पर दिनांक 10.07.2024 को अभियान को उनके समक्ष सफल बनाया गया।

पोषण निवेश योजना अंतर्गत उक्त सभी हितग्राहियों से पौधे के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु लिखित संकल्प पत्र हस्ताक्षर कराये गये तथा सभी हितग्राहियों ने शपथ लिया है कि उनके द्वारा उक्त रोपित पौधों का संरक्षण ठीक उसी प्रकार किया जाएगा जिस प्रकार उनके द्वारा अपने छोटे बच्चों का संरक्षण किया जाता है। पोषण का निवेश शीर्षक अभी तक राज्य में किसी के द्वारा नहीं सोचा गया था। गरियाबंद जिले में कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल की इस नई सोच को मूर्त रूप देने के फलस्वरूप जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में दर्ज हो गया। जो ऐतिहासिक है।

**हरिभूमि** आंचलिक 11-07-2024

**एक दिन में • कार्यक्रम में गोल्डन बुक के उत्तीरसद् मैनेजर लेनार्ड शर्मा ने कलेक्टर को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किया**

**शिशुवती-गर्भवतियों ने रोपे 85 हजार पौधे, दिया गया अवॉर्ड**

**संयोजक सुभाष आ. शर्मा**

जिले की महिलाओं एवं बच्चों को भविष्य में उचित पोषण हेतु गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में एक साथ प्रातः 07:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक 17280 हितग्राहियों के द्वारा कुल 86400 फलदार वृक्ष जैसे आम, जामुन, आंवला, कटहल, अमरूद, सीताफल एवं मुनगा का पौधा रोपण किया गया। जो गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में एक अद्वितीय रिकार्ड के रूप में दर्ज किया गया।

उक्त अभियान जिले में निःशुल्क रूप से सम्पादित किया गया है। वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग के द्वारा फलदार वृक्षों का रोपण मनरेगा मद से कराया गया तथा सभी जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के माध्यम से प्रत्येक पंचायतों में सरपंचों के द्वारा निर्धारित हितग्राहियों के घरों तक फलदार वृक्ष का परिवहन कर प्रदाय का कार्य किया गया। इस अभियान को गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में दर्ज कराने के लिए लिखित पत्र रायपुर स्थिति रीजनल डायरेक्टर को भेजा गया था, तथा उनकी सहमति के आधार पर दिनांक 10.07.2024 को अभियान को उनके समक्ष सफल बनाया गया।

पोषण निवेश योजना अंतर्गत उक्त सभी हितग्राहियों से पौधे के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु लिखित संकल्प पत्र हस्ताक्षर कराये गये तथा सभी हितग्राहियों ने शपथ लिया है कि उनके द्वारा उक्त रोपित पौधों का संरक्षण ठीक उसी प्रकार किया जाएगा जिस प्रकार उनके द्वारा अपने छोटे बच्चों का संरक्षण किया जाता है। पोषण का निवेश शीर्षक अभी तक राज्य में किसी के द्वारा नहीं सोचा गया था। गरियाबंद जिले में कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल की इस नई सोच को मूर्त रूप देने के फलस्वरूप जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में दर्ज हो गया। जो ऐतिहासिक है।

**85 हजार फलदार पौधों लगाकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड**

**छोटे बच्चों की तरह देखभाल करने की ली जिम्मेदारी**

**संयोजक सुभाष आ. शर्मा**

जिले की महिलाओं एवं बच्चों को भविष्य में उचित पोषण हेतु गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में एक साथ प्रातः 07:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक 17280 हितग्राहियों के द्वारा कुल 86400 फलदार वृक्ष जैसे आम, जामुन, आंवला, कटहल, अमरूद, सीताफल एवं मुनगा का पौधा रोपण किया गया। जो गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में एक अद्वितीय रिकार्ड के रूप में दर्ज किया गया।

उक्त अभियान जिले में निःशुल्क रूप से सम्पादित किया गया है। वन विभाग एवं उद्यानिकी विभाग के द्वारा फलदार वृक्षों का रोपण मनरेगा मद से कराया गया तथा सभी जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के माध्यम से प्रत्येक पंचायतों में सरपंचों के द्वारा निर्धारित हितग्राहियों के घरों तक फलदार वृक्ष का परिवहन कर प्रदाय का कार्य किया गया। इस अभियान को गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में दर्ज कराने के लिए लिखित पत्र रायपुर स्थिति रीजनल डायरेक्टर को भेजा गया था, तथा उनकी सहमति के आधार पर दिनांक 10.07.2024 को अभियान को उनके समक्ष सफल बनाया गया।

पोषण निवेश योजना अंतर्गत उक्त सभी हितग्राहियों से पौधे के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु लिखित संकल्प पत्र हस्ताक्षर कराये गये तथा सभी हितग्राहियों ने शपथ लिया है कि उनके द्वारा उक्त रोपित पौधों का संरक्षण ठीक उसी प्रकार किया जाएगा जिस प्रकार उनके द्वारा अपने छोटे बच्चों का संरक्षण किया जाता है। पोषण का निवेश शीर्षक अभी तक राज्य में किसी के द्वारा नहीं सोचा गया था। गरियाबंद जिले में कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल की इस नई सोच को मूर्त रूप देने के फलस्वरूप जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में दर्ज हो गया। जो ऐतिहासिक है।

**"17,000 women set a world record by planting 85,000 fruit saplings"**

**RAPUR: The Garhwal district administration has set a Guinness World Record by organizing the 'Pahar Nosh' (Closed to Mothers) campaign for the first time in the district.**

**The Guinness Book of World Records has recognized the initiative as a 'World Record' for the largest number of women planting fruit saplings in a single day.**

**The Guinness Book of World Records has recognized the initiative as a 'World Record' for the largest number of women planting fruit saplings in a single day.**

## // ग्राम सुपेबेड़ा में प्रदायित स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी //

जिले के दूरस्थ विकासखण्ड देवभोग अंतर्गत किडनी रोग से प्रभावित ग्राम सुपेबेड़ा है जो कि देश, प्रदेश स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। उक्त क्षेत्र के लोगों को विशेष स्वास्थ्य सुविधा प्रदाय करने एवं स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं सुदृढीकरण हेतु शासन/प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है। लगातार उक्त क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है :-

- ग्राम सुपेबेड़ा में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु उप स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्वीकृत है। उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का संचालन किया जा रहा है एवं क्षेत्र के लोगों को आशानुरूप स्वास्थ्य सेवाएं प्रदाय किया जा रहा है।



- क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदाय करने हेतु सुपेबेड़ा में चिकित्सा अधिकारी की पदस्थापना की गई है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवा प्रदाय किया जा रहा है।



- ग्राम सुपेबेड़ा एवं आसपास के क्षेत्र के किडनी रोग से प्रभावित मरीजों को उच्च संस्थान में रिफर करने हेतु निःशुल्क परिवहन हेतु स्वास्थ्य केन्द्र, सुपेबेड़ा में एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई है, जिसके द्वारा मरीजों का उच्च संस्थान में निःशुल्क परिवहन सुविधा प्रदाय किया जा रहा है।



- किडनी रोग से प्रभावित मरीजों को निःशुल्क दवाई का वितरण किया जा रहा है।
- सिविल अस्पताल देवभोग में डायलिसिस यूनिट स्थापित किया गया है, जहां किडनी रोग से प्रभावित मरीजों का निःशुल्क डायलिसिस किया जाता है।



- सुपेबेड़ा एवं आसपास के क्षेत्र के किडनी रोग से प्रभावित मरीजों के निःशुल्क डायलिसिस हेतु डेडिकेटेड कोविड अस्पताल गरियाबंद में सुपेबेड़ा हेतु समर्पित डायलिसिस यूनिट का शुभारंभ दिनांक 26.06.2024 को माननीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा किया गया है, जहां किडनी रोग से प्रभावित मरीजों का निःशुल्क डायलिसिस किया जाएगा।



- सुपेबेड़ा एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदाय करने हेतु शासन/प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में आशानुरूप प्रगति हो रही है।

## सेल्फी विथ इपिक

लोक सभा चुनाव के दौरान स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान हेतु जिले की महिला मतदाताओं को विशेष रूप से जागरूक करने हेतु सेल्फी विथ इपिक कार्यक्रम का संचालन दिनांक 09.04.2024 को प्रातः 07:00 बजे से लेकर अपराह्न 01:00 तक जिले के समस्त 1494 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 335 ग्राम पंचायतों एवं 05 नगर पंचायतों में सम्पन्न कराया गया। जिसमें एक लाख आठ हजार छिहत्तर महिलाओं ने एक ही दिन में निर्धारित अवधि तक इलेक्शन फोटो आईडी कार्ड के साथ सेल्फी लेकर इस कार्यक्रम को गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में दर्ज कराया है।



गरियाबंद जिले का यह कार्यक्रम पूरे देश में एक मतदाता जागरूकता हेतु अद्वितीय कार्यक्रम था। विशेष रूप से महिलाओं को वोटिंग के प्रति जागरूक करने से जिले में पूर्व लोकसभा 2019 की अपेक्षा वर्ष 2024 में लगभग वोटिंग में 2 प्रतिशत की वृद्धि हुआ है। सन् 2019 में महासमुन्द लोकसभा अंतर्गत गरियाबंद जिले का वोटिंग प्रतिशत लगभग 78.49 प्रतिशत था। जो सन् 2024 में बढ़कर 81.19 प्रतिशत हो गया। छत्तीसगढ़ राज्य के 10 विधानसभाओं में 80 प्रतिशत से ऊपर मतदान सन् 2024 में रिकार्ड किया गया है। जिसमें गरियाबंद जिले का बिन्दानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र भी दर्ज है।



गरियाबंद जिले में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत मतदाता जागरूकता हेतु विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम लोकसभा चुनाव के दौरान किये जा रहे थे। कुछ कार्यक्रम जैसे दीप प्रज्ज्वलन गावों एवं स्कूलों में रैलियों का आयोजन, दीवाल लेखन, महिलाओं की कलश यात्रा इत्यादि कार्यक्रम लगातार चरणबद्ध तरीके से जिला में संचालित किया जा रहा था परन्तु अपेक्षित परिणाम दृष्टिगत नहीं हो पा रहा था। इन परिस्थितियों को देखते हुए जिला कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किये गये इपिक कार्ड के साथ विशेष रूप से महिला मतदाताओं की सेल्फी लेने का अभियान एक ही दिन विशाल रूप से किये जाने का योजना बनाया गया। जिसमें जिले के समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं पंचायतों को सेल्फी हेतु स्थल का चिन्हांकन करते हुए सभी पंचायतों के जिला स्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई। दिनांक 09.04.2024 को कार्य के पूर्व नोडल अधिकारियों के नियुक्ति के साथ-साथ इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मीडिया से इस कार्ययोजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। तथा गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड के रिजनल डायरेक्टर रायपुर को इस अभियान की लिखित जानकारी प्रेषित कर इसे एक नये रिकार्ड के रूप में दर्ज कराने हेतु लिखित पत्र प्रेषित किया गया। गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड के इस अद्वितीय कार्य को रिकार्ड के रूप में दर्ज करने हेतु लिखित सहमति के आधार पर इस कार्यक्रम को दिनांक 09.04.2024 को उनके प्रतिनिधि के समक्ष सम्पादित कराया गया। तथा इस तिथि को गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड के रूप में गरियाबंद के इस सराहनीय प्रयास को ऐतिहासिक कार्यक्रम मानते हुए रिकार्ड के रूप में दर्ज कर लिया गया।



जिला में विभिन्न पंचायतों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों से फोटो प्राप्त कर डाउनलोड करने हेतु 10 कम्प्यूटर ऑपरेटरों की ड्यूटी लगाई गई थी। सभी पांच ब्लॉक के लिए पृथक-पृथक वाट्सएप्प नम्बर निर्धारित किये गये थे। जिसमें पंचायत स्तर, आंगनबाड़ी स्तर, कॉलेज एवं विभिन्न संस्थाओं से महिला मतदाताओं के द्वारा स्वीप कार्ड के साथ सेल्फी लेकर प्रेषित किया गया। लगभग 06 घण्टे में एक लाख आठ हजार महिलाओं ने सेल्फी का प्रेषण किया। जिले में महिला मतदाता की संख्या लगभग दो लाख से अधिक है।

इस प्रकार अनुमानित 50 प्रतिशत से अधिक महिलाओं ने अपना सेल्फी इपिक कार्ड के साथ प्रेषित किया। इस प्रकार मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन पूरे भारत देश में किसी भी जिले में नहीं किया गया था। इस प्रकार उक्त कार्यक्रम के गोल्डन बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड में दर्ज होने के कारण गरियाबंद जिला का नाम इतिहास में दर्ज हो गया है। जिसके कारण से पूरा गरियाबंद जिला गौरवान्वित महसूस कर रहा है तथा लोकतंत्र के इस महापर्व में जिला का वोटिंग प्रतिशत बढ़ने का मुख्य कारण उक्त अभियान साबित हुआ है।